ठाकुर का कुआँ प्रश्नोत्तर & वर्कशीट – PART - 4

(उसने रस्सी का फंदा ----------------------------- वही मैला-गंदा पानी पी रहा है ।)

1. नए शब्द –

* फंदा – കുരുക്ക്
* सिपाही - സൈനികൻ
* माफी - മാപ്പ്
* उम्मीद – വിശ്വാസം
* गोता लगाना - മുങ്ങുക
* शहजोर - ബലവാനായ
* एकाएक - പെട്ടെന്ന്
* धडाम - വലിയ ശബ്ദം
* कूदकर भागना - ചാടി ഓടുക
* दाएँ-बाएँ - ഇടത്തോട്ടും വലത്തോട്ടും
* किला - കോട്ട
* रियायत - അനുകമ്പ
* कलेजा - ഹൃദയം
* आहिस्ता - സാവധാനം
* पहलवान - ഗുസ്തിക്കാരൻ
* दरवाज़ा खुलना - വാതിൽ തുറക്കുക
* हिलकोरे - ഓളങ്ങൾ
* मैला-गंदा पानी - മലിനജലം
* चौकनी दृष्टि - ജാഗ്രതയുള്ള നോട്ടം
* सुराख करना - നുഴഞ്ഞുകയറുക
* रत्ती भर – അൽപംപോലും
* कलेजा मज़बूद करना - ധൈര്യം സംഭരിക്കുക
* ज़रा भी - അല്പംപോലും
* तेज़ी से खींचना – വേഗത്തിൽ വലിക്കുക
* छूटना - വിടുക
* पुकारना - വിളിക്കുക

2. विशेषण शब्द लिखें ।

1. क्षणिक सुख - क्षणिक 2. चौकनी दृष्टि - चौकनी 3. शहजोर पहलवान - शहजोर 4. मैला-गंदा पानी - मैला-गंदा

3. मुहावरे का मतलब क्या है ?

1. कलेजा मज़बूत करना– धैर्य का अवलंबन करना

4. प्रश्नों का उत्तर लिखें ।

1. गंगी रस्सी छोडकर क्यों भाग गई ?
ठाकुर के द्वारा पकडे जाने डर से
2. गंगी क्यों रात को ठाकुर के कुएँ पर जाती है ?
पति केलिए साफ पानी लेने केलिए
3. गंगी के हाथ से रस्सी क्यों छूट गई ?
गंगी को मालूम हुआ कि दरवाज़ा खोलकर ठाकुर आनेवाला है । इस कारण से वह डर गयी और रस्सी हाथ से छूट गई ।
4. कहानी में ठाकुर के दरवाज़े की तुलना किससे की है ?
शेर के मुँह से
5. शेर का मुँह इससे अधिक भयानक न होगा । यहाँ ठाकुर के दरवाज़े की तुलना शेर की मुँह से क्यों की गई है ?
शेर एक खूँखार जानवर है । उसके सामने से बच जाना मुश्किल है, पर असंभव नहीं । पर ठाकुर जैसे उच्च वर्ग के लोग शेर से भी अधिक क्रूर है । एक अछूत को कुएँ से पानी भरते देखें तो उसे ज़रूर मार ही डालेगा । गंगी यह बात अच्छी तरह से जानती थी । इसलिए जब ठाकुर का दरवाज़ा एकाएक खुलता है तो अत्यंत डर जाने से वह ऐसा सोचती है ।

6. जोखू ने गंदा पानी पीने का निश्चय क्यों किया ?
जोखू को मालूम था कि ठाकुर और साहू के कुएँ से पानी लेना आसानी की बात नहीं है । उसकी राय में ठाकुर लाठी मारेंगे और साहूजी एक के पाँच लेंगे । इस कारण से ही उसने गंदा पानी पीने का निश्चय किया ।

7. गंगी की डायरी (अंतिम भाग)

तारीख : ....

आज का यह बुरा दिन मैं कैसे भूलूँ ? प्यास के मारे मेरे बीमार पति को शुद्ध पानी दे न पाई । आज उनके पूछने पर मैंने जो पानी दिया उससे बदबू आ रही थी । इसलिए मैंने उन्हें वह पानी पीने नहीं दिया । उनकेलिए साफ पानी लाने केलिए मैं रात के अंधेरे में रस्सी और घडा लेकर ठाकुर के कुएँ की ओर निकल पडी । मैं घडे में रस्सी डालकर पानी खींच रही थी, अचानक ठाकुर दरवाज़ा खोलकर बाहर आए । मैं जल्दी घडा, रस्सी सब छोडकर वहाँ से भाग गयी । यदि पकड लिया तो ... । घर पहुँचकर मैंने देखा, मेरे पति वही गंदा पानी पी रहे हैं । अब मैं उन्हें कैसे मना करूँ ? हे भगवान ! हमारी यह बुरी हालत कब बदलेगी ?

8. जोखू की डायरी

तारीख: ……………….

आज बीमार होने पर भी मुझे बदबूदार पानी पीना पडा । गला सूखा जा रहा था, तब मैं गंगी से पीने को कुछ पानी माँगा । पर उससे बदबू आ रहा था । हम जिस कुएँ से पानी भरते थे, उसमें कोई जानवर गिरकर मरा था । निम्नजाति के होने से हमको ठाकुर और साहू के कुएँ से पानी भरने की अनुमति नहीं थी । गंगी तो साहस के साथ ठाकुर के कुएँ से पानी लेने गया । पर निराश लौट आयी । हे भगवान ! हमारी यह हालत कब बदलेगी ?

SREEJITH R. KOVOOR VARKALA, SCRT45 ph 9567224545

9. टिप्पणी - गंगी की चरित्रगत विशेषताएँ

गंगी मुंशी प्रेमचंद की मशहूर कहानी ‘ ठाकुर का कुआँ ‘ की नायिका है । वह निम्नजाति की मानी जाती है । उसके पति जोखू बीमार है । पीने केलिए पति को साफ पानी दे न पाने से वह परेशान होती है । ठाकुर के कुएँ से पानी लेने जाने पर जोखू उसे डाँटता है । लेकिन वह पीछे मुडनेवाली नहीं थी । रात को चुपके –चुपके वह ठाकुर के कुएँ से पानी लाने जाती है । अत्यधिक सावधानी से पानी लेते समय ठाकुर का दरवाज़ा खुलता है और गंगी वहाँ से बच जाती है । उसका विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों पर चोटें करता है । वह अपने पति से बहुत प्यार करती है । वह जानती थी कि गंदा पानी पीने से बीमारी बढ जाएगी । लेकिन बेचारी अनपढ गंगी यह नहीं जानती थी कि पानी को उबालने से उसकी खराबी दूर होती है । इस प्रकार गंगी में एक गरीब, असहाय और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ विद्रोह करनेवाली स्त्री को हम देख सकते हैं ।

10. जोखू की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी

प्रेमचंद की कहानी ठाकुर का कुआँ का नायक है जोखू । नीच जाति में जन्म होने से उसको कई प्रकार की यातनाएँ सहना पडता है । लेकिन उसको किसीसे शिकायत नहीं है । वह अच्छी तरह जानता है कि अब की सामाजिक व्यवस्थिति उच्च जाति के अनुकूल है, कानून और न्यायालय उनके पक्ष में है । इसलिए उच्च वर्ग के विरुद्ध आवाज़ उठाने से कोई फायदा नहीं । वह बीमार से परेशान है, प्यास मिटाने कुछ शुद्ध पानी पीना चाहता है । फिर भी ठाकुर के कुएँ पर पानी भरने जाने से वह गंगी को रोकता है । वह अपनी पत्नी को बहुत चाहता है । अपने परिवार को नष्ट न होने के लिए उस समय समाज में पनपे सामाजिक असमानताओं को सहने वह तैयार हो जाता है । वह ठाकुर जैसे लोगों के विरुद्ध कुछ करना नहीं चाहता, क्योकि वह जानता है कि ऐसा करने पर यहाँ जीना भी मुश्किल हो जाएगा ।

11. ठाकुर की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी

प्रेमचंद की कहानी ठाकुर का कुआँ का एक प्रमुख पात्र है ठाकुर । वे ऊँच जाति के हैं । वे बहुत क्रूर स्वभाव के हैं । वे निम्न जाति के लेगों को अपने कुएँ से पानी भरने न देंगे । यदि कोई ऐसा करें तो उनके हाथ-पाँव तुडवा आएगी । अब की सामाजिक व्यवस्थिति उनके अनुकूल है,कानून और न्यायालय उनके पक्ष में है । वे चोरी करते हैं,जाल-फरेब करते हैं और झूठे मुकदमे करते हैं । काम करा लेते हैं पर मजूरी नहीं देते हैं । सभी लोग उनसे बहुत डरते हैं । इस प्रकार हम उनमें एक क्रूर,छुआछूत के भाव रखनेवाले आदमी को देख सकते हैं ।

12. गंगी और जोखू के बीच हुए वार्तालाप (अंतिम भाग)

गंगी – अरे ! आप यह क्या कर रहे हैं ?
जोखू – फिर मैं क्या करूँ ? प्यास के मारे गला सूख गया है ।
गंगी – लेकिन वह बदबूदार पानी है न ? आप की बीमारी बढ जाएगी तो?
जोखू – और मैं क्या करूँ ? तू साफ पानी लाने गई थी न ? मिल गया ?
गंगी – नहीं ।
जोखू – फिर इतनी देर तक कहाँ थी ?
गंगी – मैं ठाकुर के कुएँ से पानी ले रही थी ।
जोखू – फिर क्या हुआ ?
गंगी – इसी बीच ठाकुर ने मुझे देखा और मैं जान बचाकर भाग गयी ।
जोखू – मैंने पहले ही कहा था न ?
गंगी – अब क्या होगा ? भगवान ही जाने !
जोखू – ठीक है । अब लेटकर सो जाओ ।

13. गंगी का पत्र (पानी लाने की उसकी परेशानी)

स्थान : ....

तारीख : ....

प्यारी माँ,

आप कैसी हैं ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ । आपकी कोई खबर नहीं कुछ दिनों से,एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रही हूँ ।

हमेशा मन में आपकी याद आती है । वहाँ पहुँचने केलिए मन में बडी चाह है । लेकिन अपने परिवार की हालत देखकर मैं चुप होकर कैसे बैठूँगी ? माँ, जोखू को बीमार पडे कुछ दिन बीत गए । हमें साफ पानी नहीं मिलता है । गंदा पानी पीने से बीमारी बढने की संभावना है । इसलिए एक दिन साफ लेने केलिए मैं ठाकुर के कुएँ की जगत पर गई । रात नौ बजे के बाद मुझे एक मौका मिला । मैंने घडा और रस्सी कुएँ में डालकर तेज़ी से पानी खींचकर कुएँ की जगत पर रखा । उस वक्त ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया । मेरे हाथ से घडा पानी में गिरा । ठाकुर को वहाँ आते देख मैं भागकर घर पहुँची । भाग्य से मेरी जान बच गयी । अब हम गंदा पानी पीकर जीते हैं ।

माँ एक दिन यहाँ आइए । तब सब हाल देखें । जवाब पत्र की प्रतीक्षा से,

तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम
पता ।

5. आशय समझकर सही मिलान करके लिखें ।

1. गंगी जगत की आड में बैठी - एकाएक ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया ।
गंगी घडा और रस्सी उठा ली - विजय का ऐसा अनुभव पहले न हुआ था ।
गंगी दबे पाँव कुएँ की जगत पर चढी - मौके का इंतज़ार करने लगी ।
गंगी झुकी कि घडे को पकडकर जगत पर रखे - वृक्ष के अंधेरे साये में जा खडी हुई ।

2. स्त्री – यह पानी कैसे पिओगे ?

गंगी – कौन है ? कौन है ?

ठाकुर – पानी कहाँ से लाएगी ?

जोखू – मत लजाओ दीदी ।

<u>**व्याकरण अंश**</u>

1. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें ।

1. गंगी भागती है । गंगी भागी जा रही है ।
जोखू भागता है । जोखू ------------------- ।

2. जोखू गंदा पानी पी रहा है । गंगी गंदा पानी ----------------।

3. गंगी जगत से भागी जा रही थी । जोखू जगत से -------------।

2. कोष्ठक से सही क्रिया रूप से वाक्य की पूर्ति करें ।

1. घडा धडाम से पानी में गिरा । घडा धडाम से पानी में –––––––––––। (गिरेंगी, गिरेंगे, गिरेगा, गिरेगी)
2. गंगी सोचने लगी । जोखू ––––––––––––––। (सोचने लगा, सोचनी लगी, सोचने लगे, सोचना लगा)
3. गंगी कूदकर भागी जा रही थी । गंगी कूदकर --––––––––-। (भागना लगी, भागने लगी, भागनी लगी, भागने लगा)

3. सही विकल्प चुनकर लिखें ।

1. वह + केलिए = उसकेलिए वे + केलिए = उसकेलिए ये + केलिए = उसकेलिए यह + केलिए = उसकेलिए
2. वह + से = उसे वे + को = उसे वह + को = उसे वही + को = उसे

4. सही वाक्य पहचानकर लिखें ।

1. ठाकुर कुएँ की तरफ आने लगे ।
ठाकुर कुएँ की तरफ आना लगा ।
ठाकुर कुएँ की तरफ आनी लगी ।
ठाकुर कुएँ की तरफ आने लगीं ।

2. जोखू गंदा पानी पीने लगती है ।
जोखू गंदा पानी पीना लगता है ।
जोखू गंदा पानी पीने लगता है ।
जोखू गंदा पानी पीनी लगती है ।

5. कोष्ठक से उचित शब्द सही स्थान पर रखकर वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें ।

1. पानी पीता है । (बदबूदार,लोटे से)
जोखू पानी पीता है ।
–––––––––––।
––––––––––––––।

2. फंदा डाला । (घडे में, गंगी ने)
रस्सी का फंदा डाला ।
––––––––––––––।
––––––––––––––।

3. दरवाज़ा खुल गया । (एकाएक, ज़ोर से)
ठाकुर साहब का दरवाज़ा खुल गया ।
–––––––––––––––––––-- ।
––––––––––––––––––––– ।

6. रेखांकित शब्द के बदले कोष्ठक के शब्द का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें ।

1. <u>जान</u> बचाकर भागनी पडती है । (प्राण)
2. <u>आवाज़</u> सुनाई देती रही । (शब्द)
3. <u>गंगी</u> जगत से भागी जा रही थी । (जोखू)
4. <u>जोखू</u> गंदा पानी पी रहा है । (गंगी)

SREEJITH R, KOVOOR VARKALA, SCRIPTS ph 9567224545